जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 04 मार्च 2020

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जामिया में 'क्रीएशन एंड डिसेमनैशन फेमिनिस्ट नॉलेज' पर लेक्चर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सरोजिनी नायडू सेंटर फॉर वुमेन स्टडीज (एसएनडब्लूएस) ने 3 मार्च 2020 को 6 वें वार्षिक स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया। नारीवादी लेखक और कार्यकर्ता उर्वशी बुटालिया ने 'क्रीएशन एंड डिसेमनैशन फेमिनिस्ट नॉलेज' अपना मुख्य व्याख्यान पेश किया। जामिया की प्रोफेसर सिमी मल्होत्रा ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की जिसमें लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

एसएनसीडब्ल्यूएस की निदेशक प्रोफेसर सबिहा हुसैन ने इसमें शिरकत करने वालों का स्वागत किया और सेंटर की उपलब्धियों पर रौशनी डाली।

सुश्री बुटालिया ने नारीवादी ज्ञान, नारीवादी ज्ञान को चुनौती, वैकल्पिक ज्ञान, पहचान और उसके प्रतिनिधित्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने उन प्रमुख घटनाओं का उल्लेख किया, जो भारतीय नारीवादी ज्ञान के इतिहास में महत्वपूण स्थान रखते हैं। उन्होंने भारत के पहले नारीवादी प्रकाशन घराने काली और जुबान के बारे में भी बताया। उन्होंने मुक्ता बाई साल्वे, सावित्री बाई फुले और शर्मिला रागे की रचनाओं का हवाला दिया, जिन्होंने ज्ञान की स्थिति और पुरुषों के वर्चस्व पर सवाल उठाए थे।

उन्होंने बताया, "जब हमने एक वैकल्पिक प्रकाशन घर बनाया, तो हमें मुख्यधारा में आने के लिए बेहद संघर्ष करना पड़ा और विकल्प पेश करने के लिए हम अभी भी संघर्षरत हैं। अंत में सुश्री बुटालिया ने वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं के संघर्ष और प्रतिरोध करने के अधिकारों के बारे में भी बताया। भाषा के सवाल को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि अंग्रेजी में क्षेत्रीय साहित्य का अनुवाद करना महत्वपूर्ण है और उसी तरह अंग्रेज़ी साहित्य का क्षेत्रीय भाषाओं में भी। प्रोफेसर सिमी मल्होत्रा ने प्रश्न-उत्तर सत्र की अध्यक्षता की, जहां छात्रों ने बड़े पैमाने पर सुश्री बुटालिया के सामने अपने प्रश्न रखे। अंत में, केंद्र की ओर से डॉ. सुरैया तबस्सुम ने सबका धन्यवाद किया किया गया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक